PGCAR

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

(पी.जी.सी.ए.आर.)

MTT-033

सत्रीय कार्य

2025

(जनवरी 2025 और जुलाई 2025 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय शिक्षार्थी,

इग्नू के **'अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम' (पी.जी.सी.ए.आर.)** में आपका स्वागत है। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए कृपया निम्नलिखित सुझावों का पालन करें :

- अपनी पढ़ाई शुरू करने से पहले **'कार्यक्रम मार्गदर्शिका'** का को अवश्य पढ़ें। इससे आपको अपना अध्ययन कार्यक्रम पूरा करने के तरीके के बारे में जानकारी मिलेगी और आपके मस्तिष्क में उभरने वाली शंकाओं का निवारण हो सकेगा।
- आप अपना सत्रीय कार्य (Assignment) **कार्यक्रम समन्वयक (पी.जी.सी.ए.आर.), अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ (एस.ओ.टी.एस.टी.), ब्लॉक-15सी, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068 को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा कराएँ।**
- एस.ओ.टी.एस.टी. आपका अध्ययन केंद्र है। कृपया आप अपने अध्ययन केंद्र और कार्यक्रम समन्वयक के निरंतर संपर्क में रहें।
- परीक्षा-फॉर्म समय के भीतर जमा कराएँ। परीक्षा फॉर्म भरने के लिए कृपया इग्नू वेबसाइट देखें।
- सत्रांत परीक्षा देने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है।
- सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। **अपनी अध्ययन सामग्री से कॉपी करके अपने उत्तर न लिखें।**

सत्रांत परीक्षा देने के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक-एक सत्रीय कार्य (Assignment) जमा कराना अनिवार्य है। पूरा किया गया सत्रीय कार्य आप उपर्युक्त पते पर निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा कराएँ। सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथियाँ इस प्रकार हैं :

जनवरी 2025 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी : 31 मार्च, 2025*

जुलाई 2025 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी : 30 सितंबर, 2025*

*सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा परिवर्तित की जा सकती है। इसलिए इसे जमा कराने की अंतिम तिथि संबंधी अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ignou.ac.in देखें और अपेक्षित कार्रवाई करें।

एम.टी.टी.–033 : स्क्रिप्ट, रूपांतरण एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.ए.आर.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–033
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2025
अंक : 100

नोट : प्रश्न संख्या 1 से 8 का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न संख्या 9 में दिए गए अंश के आधार पर स्क्रिप्ट लेखन कीजिए।

1. स्क्रिप्ट लेखन की संकल्पना एवं स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10
2. ड्रामा स्क्रिप्ट लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 10
3. दृश्य–श्रव्य माध्यमों में रूपांतरण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए। 10
4. विविध क्षेत्रों में स्क्रिप्ट लेखन की आवश्यकता की विवेचना कीजिए। 10
5. 'डिजिटल माध्यमों के लिए रूपांतरण' पर लेख लिखिए। 10
6. 'सिनेमा के लिए रूपांतरण' की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालिए। 10
7. रेडियो रूपांतरण की चुनौतियों की विवेचना कीजिए। 10
8. टेलीविजन के लिए धारावाहिक रूपांतरण की आवश्यकता की चर्चा कीजिए। 10
9. प्रस्तुत पाठ्यक्रम में आपने स्क्रिप्ट लेखन के विषय में विस्तार से अध्ययन किया है। नीचे एक कहानी का अंश दिया जा रहा है। प्रस्तुत अंश पर हिंदी में सिनेमा रंगमंच के लिए स्क्रिप्ट तैयार कीजिए। 20

Through the long, lonely years of my childhood, when my father's palace seemed to tighten its grip around me until I couldn't breathe, I would go to my nurse and ask for a story, And though she knew many wondrous and edifying tales, the one I made her tell me over and over was the story of my birth. I think I liked it so much because it made me feel special, and in those days there was little else in my life that did. Perhaps Dhai Ma realized this. Perhaps that was why she agreed to my demands even though we both knew I should be using my time more gainfully, in ways more befitting the daughter of King Drupad, ruler of Panchaal, one of the richest kingdoms in the continent of Bharat.

The story inspired me to make up fancy names for myself: Off-spring of Vengeance, or the Unexpected One. But Dhai Ma puffed out her cheeks at my tendency to drama, calling me the Girl Who Wasn't Invited. Who knows, perhaps she was more accurate than I.

This winter afternoon, sitting cross-legged in the meager sunlight that managed to find its way through my slit of a window, she said, "When your brother stepped out of the sacrificial fire onto the cold stone slabs of the palace hall, all the assemble cried out in amazement.